आदिवासियों के बीमारी अऊर सेहत के बारे में सीख जेकरे वजह से गड चिरोली क बालमृत्यु दर आधी होय गईल।. आबय, हमसभे भी सीखी अऊर मस्त बनी।.

डॉ. अभय बंग आधुनिक गांधीजी हऐन।. ओनकर गड चिरोली में क्रातीकारी काम शुरु बा।. ओन ई पिच्छडा हुवा आदिवासी जिला के कुछ गॉव के थोडी बहुत पढी-लिखल सीखी औरतन के ओन आरोग्य सेविका बनाऐन।. ओनहन के ओन पईदा भईल लडिक्यॉ, अऊर माता पिता के सेहत के बारेमें समझाऐन।. आरोग्य सेविका बनल औरत जहॉ बच्चा पईदा भयल, अईसन घरमें ओनसभे जायके ओनसकें भेट दिहेन अऊर लडिक्यॉ के बारे में पुछताछ किहेन।.

औरतन के बच्चा भईल ओनके बारेमें बताऐन।. अऊर ओनहन के मदत कियेन।. तीन साल में ओकर फायदा अईसन भयल।.

डॉ. विनायक,डॉ.अभय बंग, डॉ. राणी बंग,डॉ. रेणुका जोशी

1) न्युमोनियासे होवयवाला बाल मृत्यू 55% घटल मतलब की आधी भईल।.

2) जन्म के वक्त, लडिक्यॉ के सांस तेब, तकलीफ होब, लडिक्यॉ क शरीर थंडा पडब, दुध पियावत के वक्त होवय वाली तकलीफ अऊख कई सारी बात क मात्रा 45% भयल।.

3) कम वजन में होवय वाले लडिक्यॉ क मात्रा 16% होश गईल. लडिक्यन क बीमारी 50% से कम भईल।. कई औरतन 78% कि महतारीन खुदय अपने लडिक्यॉ क खुदय देखभाल करब सीखीन।.

(मतलब आधा भयल।.)

अपने सके बिना सिख - जब गरीब अनपढ आदिवासी, बामारी अऊर सेहत के बारे में सीख सकथेन।. ओनकर सकर बालमृत्यू अधीक कम होय जाय।.

तब आव, हमहु सभे सेहत अऊर बीमारी के बारेमें सीखल जाई अऊर स्वस्थ रही।.